दैनिक जागरण

The Indian EXPRESS

JOURNALISM OF COURAGE

दैनिक भास्कर

THE HINDU

जनसत्ता

Result Mitra

Daily
CURRENT AFFAIRS
IAS/PCS

अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान

20 February

Quote of the Day

कर्मभूमि की दुनिया में श्रम
सभी को करने हैं,
भगवान सिर्फ लकीरें देता है,
उसमें रंग हमें ही भरने हैं !

Result Mitra

महान स्वतंत्रता सेनानी गोपाल कृष्ण गोखले

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 1

Result Mitra™

महान स्वतंत्रता सेनानी गोपाल कृष्ण गोखले

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- वे एक प्रतिष्ठित समाज सुधारक और शिक्षाविद् थे, जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नेतृत्व प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

जन्म

- तिथि: 9 मई 1866
- स्थान: कोटलुक गाँव, वर्तमान महाराष्ट्र (तत्कालीन बॉम्बे प्रेसीडेंसी)

विचारधारा

- सामाजिक सशक्तीकरण और शिक्षा के विस्तार पर जोर दिया।
- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में तीन दशकों तक सक्रिय भूमिका निभाई।
- क्रांतिकारी तरीकों को खारिज करते हुए अहिंसक मार्ग अपनाया।

३० साल

औपनिवेशिक विधानमंडलों में भूमिका

- 1899-1902: बॉम्बे लेजिस्लेटिव काउंसिल के सदस्य।
- 1902-1915: इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल में कार्य किया।
- 1909: मॉर्ले-मिंटो सुधारों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में योगदान

- 1889: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) के नरम दल से जुड़े।
- 1905: बनारस अधिवेशन में कांग्रेस के अध्यक्ष बने।
- नरम दल और गरम दल (लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक) के बीच मतभेद गहरे हुए।
- 1907: सूरत अधिवेशन में कांग्रेस नरम दल और गरम दल में विभाजित हो गई।
- लाला लाजपत राय की रिहाई के लिए अभियान चलाया, जिन्हें ब्रिटिश सरकार ने म्यांमार की मांडले जेल में कैद किया था।

महान स्वतंत्रता सेनानी गोपाल कृष्ण गोखले

Result Mitra

संबंधित सोसाइटी एवं अन्य कार्य

- 1905: सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी (Servants of India Society) की स्थापना की।
- 'सार्वजनिक सभा पत्रिका' से जुड़े, जिसे महादेव गोविंद रानाडे ने शुरु किया था।
- 1908: रानाडे इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक्स की स्थापना की।
- अंग्रेजी साप्ताहिक समाचार पत्र 'द हितवाद' की शुरुआत की।

Servants of India Society

गांधी के राजनीतिक गुरु

- महात्मा गांधी ने उन्हें अपना राजनीतिक गुरु माना।
- गांधी ने गुजराती भाषा में गोखले पर केंद्रित पुस्तक 'धर्मात्मा गोखले' लिखी।

गांधी

गुजराती

मॉर्ले-मिंटो सुधार 1909

- भारत सचिव की परिषद, वायसराय की कार्यकारी परिषद और प्रांतीय कार्यकारी परिषदों में भारतीयों को शामिल किया गया।
- विधान परिषदों में मुस्लिमों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल की शुरुआत हुई।
- भारतीय राष्ट्रवादियों ने सुधारों को अत्यधिक एहतियाती माना।

मॉर्ले-मिंटो सुधार 1909

- हिंदू समुदाय मुस्लिमों के लिए अलग निर्वाचक मंडल से नाराज था।
- इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल के सदस्यों की संख्या 16 से बढ़ाकर 60 की गई।

विधान परिषदों के सदस्यों की चार श्रेणियाँ

- 1. पदेन सदस्य – गवर्नर-जनरल और कार्यकारी परिषद के सदस्य।
- 2. मनोनीत सरकारी सदस्य – सरकारी अधिकारी जिन्हें गवर्नर-जनरल द्वारा नामित किया गया।
- 3. मनोनीत गैर-सरकारी सदस्य – गैर-सरकारी व्यक्ति जिन्हें गवर्नर-जनरल ने नामित किया।
- 4. निर्वाचित सदस्य – विभिन्न वर्गों से चुने गए भारतीय।

महान स्वतंत्रता सेनानी गोपाल कृष्ण गोखले

- निर्वाचित सदस्यों का चयन अप्रत्यक्ष प्रणाली से किया गया।
- भारतीयों को पहली बार इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल की सदस्यता प्रदान की गई।
- कुछ निर्वाचन क्षेत्र विशेष रूप से मुस्लिमों के लिए आरक्षित किए गए।
- सत्येंद्र पी. सिन्हा वायसराय की कार्यकारी परिषद में नियुक्त होने वाले पहले भारतीय सदस्य बने।

Result Mitra

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: गोपाल कृष्ण गोखले के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

(A) वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गरम दल से जुड़े थे।

(B) वे 'सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी' के संस्थापक थे।

(C) उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारी तरीकों को अपनाया।

(D) उन्होंने मॉर्ले-मिंटो सुधारों में विरोध किया।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आचार्य नरेंद्र देव

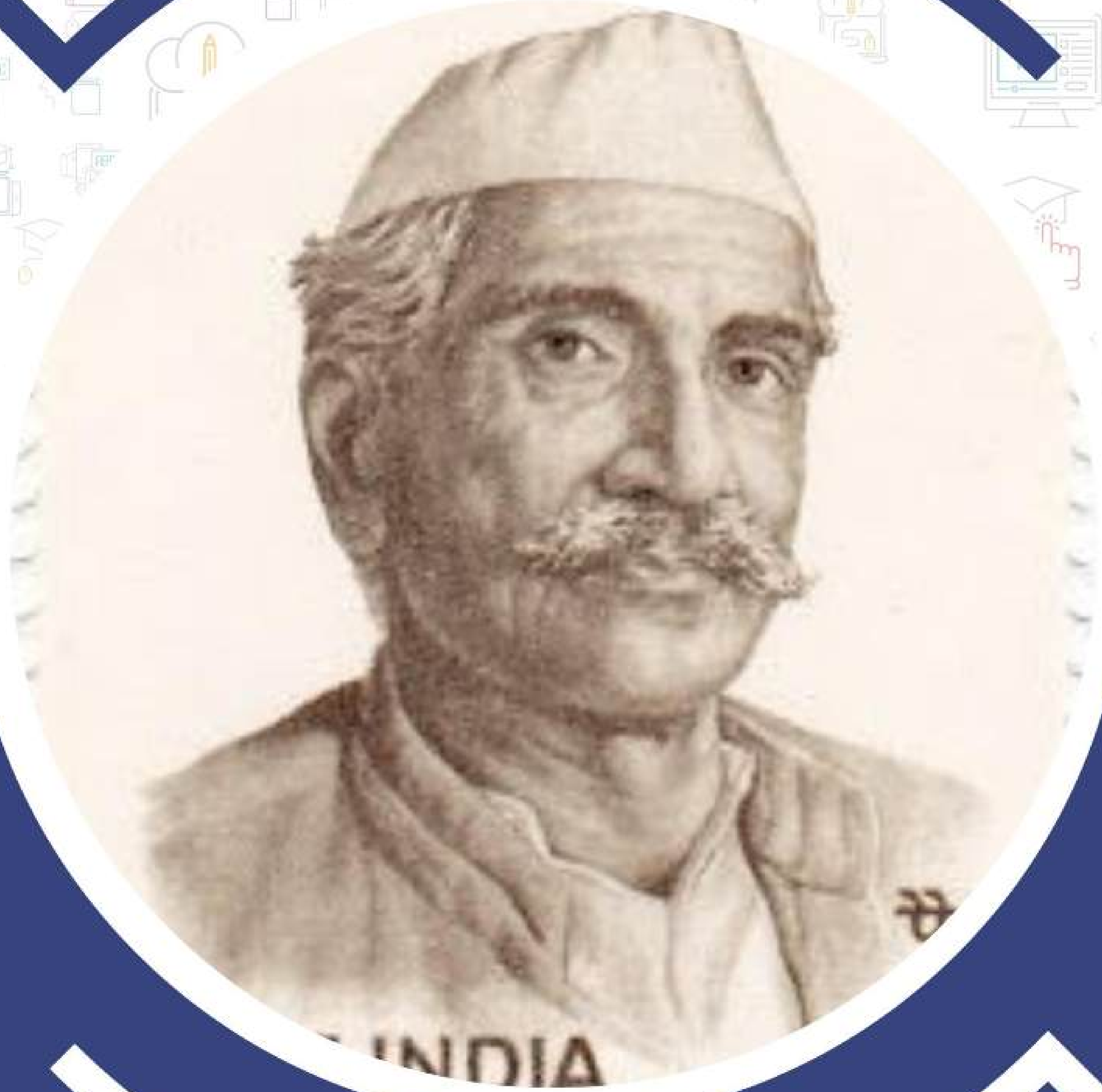

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 2

Result Mitra™

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आचार्य नरेंद्र देव

Result Mitra

- आचार्य नरेंद्र देव एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, पत्रकार, साहित्यकार, और शिक्षाविद थे. वे कांग्रेस समाजवादी दल के प्रमुख सिद्धांतकार भी थे.
- देश को स्वतंत्र कराने का जुनून उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन में खींच लाया और भारत की आर्थिक स्थिति और गरीबों की दुर्दशा ने उन्हें समाजवादी बना दिया।

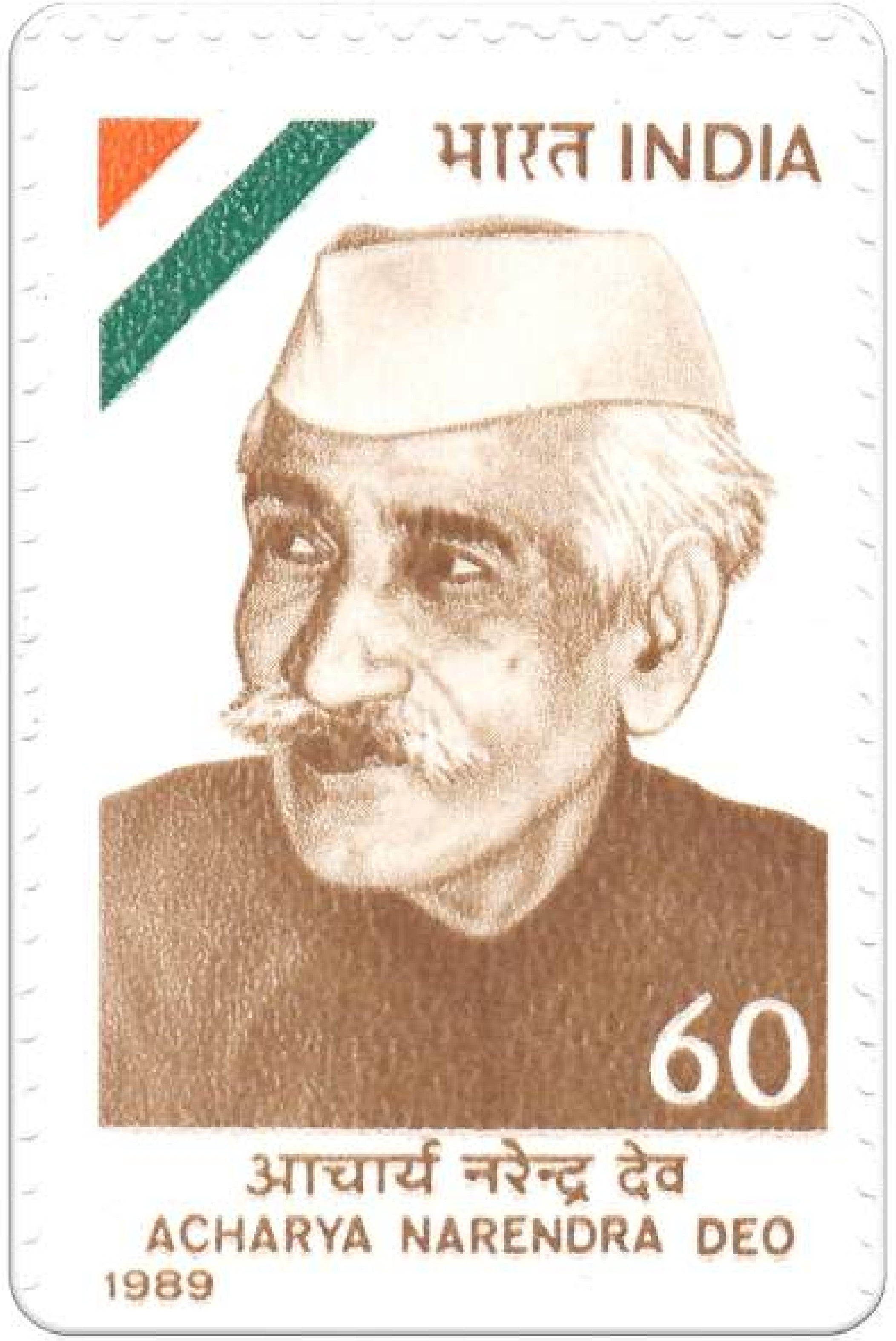

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आचार्य नरेंद्र देव

Result Mitra

- आचार्य नरेंद्रदेव का जन्म उत्तर प्रदेश के सीतापुर में हुआ था। उनके पिता कांग्रेस और सोशल कान्फ्रेंस के कामों में थोड़ी दिलचस्पी रखते थे। इस कारण उनके घर पर उपदेशक, संन्यासी और पंडित आया करते थे।
- बचपन में ही वे स्वामी रामतीर्थ, पंडित मदनमोहन मालवीय, पं. दीनदयालु शर्मा से प्रभावित हुए।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आचार्य नरेंद्र देव

- उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बीए किया और फिर काशी के क्वीन्स कालेज से पुरातत्त्व की पढ़ाई की। 1913 में एमए पास किया।
- घरवालों ने वकालत पढ़ने का आग्रह किया, तो राजनीति में भाग लेने के लिए कानून की पढ़ाई की। 1915-20 तक पांच वर्ष फैजाबाद में वकालत की।

Banaras Hindu university

वर्तमान अयोध्या

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आचार्य नरेंद्र देव

- इस दौरान असहयोग आंदोलन की शुरुआत हुई। जवाहरलाल नेहरू की सूचना और अपने मित्र शिवप्रसाद गुप्त के निमंत्रण पर नरेंद्रदेव विद्यापीठ आ गए और डॉ. भगवानदास की अध्यक्षता में काम करना शुरू किया।
- 1926 में वे स्वयं विद्यापीठ के अध्यक्ष बने। काशी विद्यापीठ के शिक्षक और छात्र उनके नेतृत्व में स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीय शिक्षा में योगदान देने लगे।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आचार्य नरेंद्र देव

- प्रयाग में अध्ययन करते हुए नरेंद्रदेव के विचार मजबूत हुए और वे गरम दल के विचारों से प्रभावित हो गए। 1905 में गरम दल से जुड़ने के कारण कांग्रेस के अधिवेशनों में जाना छोड़ दिया था, लेकिन 1916 में दोनों दलों के मेल के बाद फिर कांग्रेस में शामिल हो गए।
- 1916 से 1948 तक वे अखिल भारतीय कांग्रेस समिति और जवाहरलाल नेहरू की वर्किंग कमेटी के सदस्य रहे।

1916

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आचार्य नरेंद्र देव

Result Mitra

- खराब स्वास्थ्य के बावजूद उन्होंने 1930 के नमक सत्याग्रह, 1932 के आंदोलन, और 1941 के सत्याग्रह में भाग लिया और जेल की यातनाएं झेली।
- 8 अगस्त, 1942 को गांधी जी के 'करो या मरो' आंदोलन के दौरान वे मुंबई में गिरफ्तार हो गए और 1942-45 तक अहमदनगर किले में रहे।
- 1934 में जयप्रकाश नारायण, राममनोहर लोहिया और अन्य के साथ कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना की और पहले अधिवेशन के अध्यक्ष बने।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आचार्य नरेंद्र देव

- उन्होंने समाजवादी आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाई, विशेष रूप से किसानों के सवालों पर जोर दिया। भारतीय समाजवाद में किसानों के मुद्दे को जोड़ना उनकी महत्वपूर्ण देन है।
- बौद्ध दर्शन में उनकी गहरी रुचि थी। अपने जीवन के अंतिम दिनों में उन्होंने 'बौद्ध-धर्म-दर्शन' पूरा किया और 'अभिधम्मकोश' प्रकाशित कराया।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आचार्य नरेंद्र देव

- 'अभिधम्मत्थसंहहो' का हिंदी अनुवाद किया और प्राकृत तथा पालि व्याकरण हिंदी में तैयार किया।
- बौद्ध दर्शन के पारिभाषिक शब्दों का कोश तैयार करने का कार्य शुरू किया।
- उन्होंने 'विद्यापीठ' त्रैमासिक पत्रिका, 'समाज' त्रैमासिक, 'जनवाणी' मासिक, 'संघर्ष' और 'समाज' साप्ताहिक पत्रों का संपादन किया।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आचार्य नरेंद्र देव

Result Mitra

- उनके प्रकाशित लेखों और टिप्पणियों का संग्रह है: 'राष्ट्रीयता और समाजवाद', 'समाजवाद : लक्ष्य और साधन', 'सोशलिस्ट पार्टी और मार्क्सवाद', 'भारत के राष्ट्रीय आंदोलन का इतिहास', 'युद्ध और भारत', 'किसानों का सवाल' आदि।

आचार्य नरेंद्र देव

के बारे में

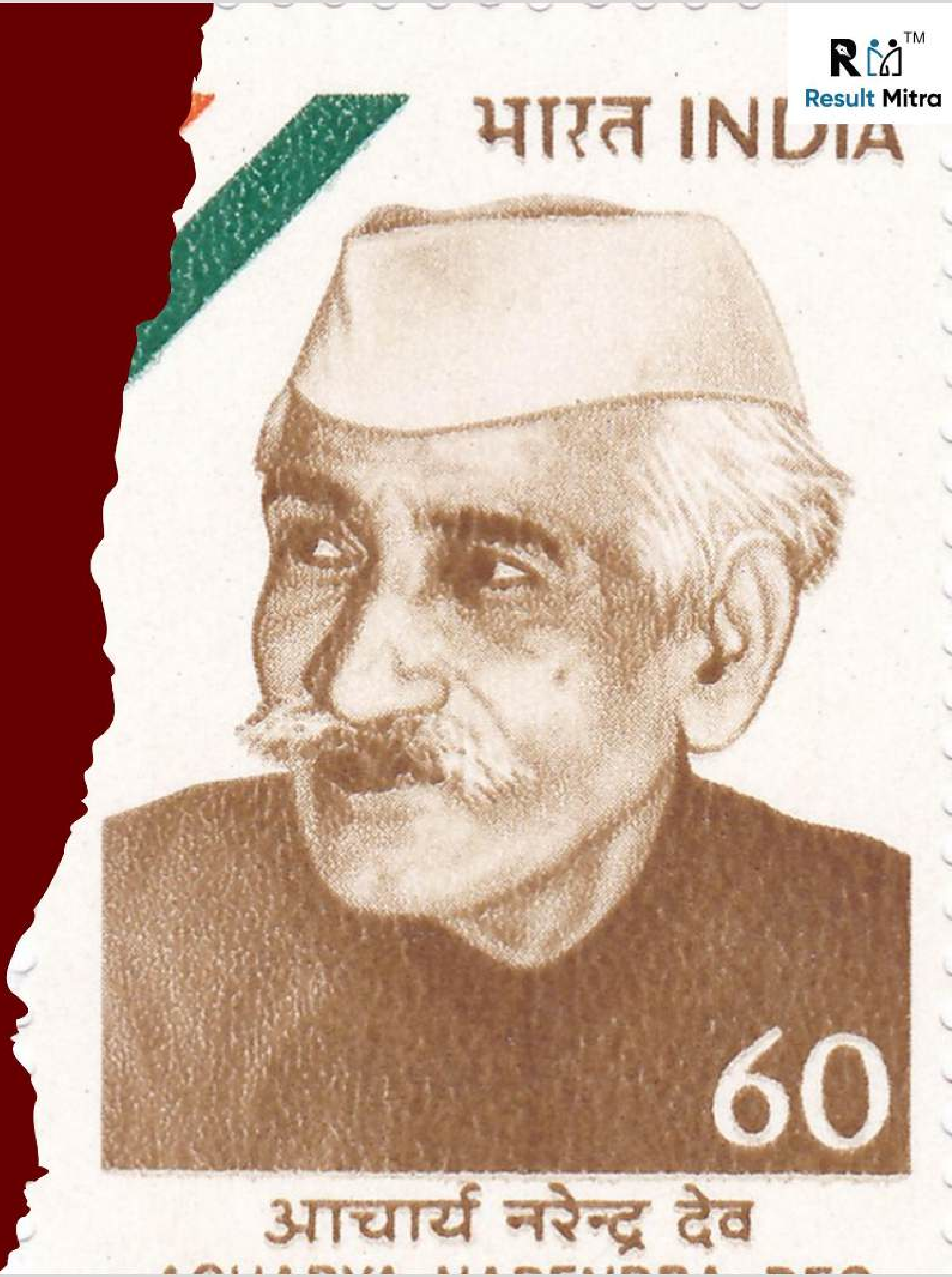

Result Mitra

आचार्य नरेंद्र देव के बारे में :

- वे एक महान देशभक्त और उच्च कोटि के विद्वान थे.
- वे एक सरल व्यक्ति थे.
- उन्होंने राष्ट्र कल्याण के लिए अपना सारा जीवन अर्पित कर दिया.
- उन्होंने स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान और बाद में शिक्षक, चिंतक, और समाजवादी नेता के रूप में राष्ट्र निर्माण में असाधारण योगदान दिया.

Result Mitra

आचार्य नरेंद्र देव के बारे में :

- उन्होंने 'बौद्ध धर्म दर्शन' जैसी दुर्लभ ऐतिहासिक महत्व की हिन्दी कृति लिखी.
- उन्होंने 'समाज में युवाओं का स्थान' जैसा निबंध लिखा.
- उन्होंने काशी विद्यापीठ के आचार्य के तौर पर भी अपनी पहचान बनाई.

आचार्य नरेंद्र देव के बारे में :

- उत्तर प्रदेश सरकार ने 1938 में आचार्य जी की अध्यक्षता में एक समिति नियुक्त की थी. इस समिति का मकसद प्रदेश की प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा प्रणालियों में सुधार करना था.
- 19 फ़रवरी 1956 को 67 साल की उम्र में आचार्य का मद्रास में निधन हो गया.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: आचार्य नरेंद्र देव के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

(A) वे काशी विद्यापीठ के अध्यक्ष रहे थे।

(B) उन्होंने भारत की स्वतंत्रता संग्राम में भाग नहीं लिया।

(C) आचार्य नरेंद्र देव ने भारतीय समाजवाद की नींव रखी।

(D) वे केवल धार्मिक विचारों पर ही कार्य करते थे।

कतर के अमीर का भारत दौरा

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 2

कतर के अमीर का भारत दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात:

- भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 फरवरी को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में क़तर के अमीर शेख़ तमीम बिन हमाद अल-थानी से मुलाकात की।
- क़तर के अमीर शेख़ तमीम बिन हमाद अल-थानी भारत यात्रा पर हैं, जो 17-18 फरवरी तक थी।

कतर के अमीर का भारत दौरा

Result Mitra

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात:

- पीएम मोदी ने उनके स्वागत के लिए दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचकर उत्साह जताया। उन्होंने एक्स पर यह जानकारी दी और मुलाकात को लेकर खुशी व्यक्त की।

Twitter

कतर के अमीर का भारत दौरा

Result Mitra™

क़तर की भारत यात्रा:

- क़तर के अमीर शेख़ तमीम बिन हमाद अल-थानी की यह यात्रा भारत-क़तर रिश्तों को मज़बूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।
- भारत और क़तर के बीच मित्रता, व्यापार, और नई तकनीकों के विकास पर चर्चा हुई।
- भारत के केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच ऊर्जा से लेकर तकनीकी सहयोग तक नए अवसर खुल रहे हैं।

कतर के अमीर का भारत दौरा

Result Mitra

भारत-क़तर कूटनीतिक संबंध:

- क़तर और भारत के कूटनीतिक संबंध 1970 के दशक से शुरू हुए थे।
- क़तर ने भारत में अपना दूतावास 1973 में खोला और 1974 में पहला राजदूत नियुक्त किया।
- प्रधानमंत्री मोदी की क़तर यात्रा पहले भी हो चुकी है, जैसे 2016 में और फरवरी 2024 में।

कतर के अमीर का भारत दौरा

Result Mitra

भारत और क़तर के व्यापार:

14.08

- 2023-24 में दोनों देशों के बीच 14.08 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ।
- भारत क़तर से एलएनजी, एलपीजी, रसायन, और पेट्रोकेमिकल्स आयात करता है, जबकि क़तर भारत से अनाज, तांबा, स्टील, फल, और मसाले खरीदता है।
- क़तर, भारत को LNG का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है।

क़तर में भारतीय समुदाय:

- क़तर में लगभग 8 लाख भारतीय निवास करते हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में काम करते हैं।
- क़तर में 20,000 से अधिक भारतीय कंपनियां काम कर रही हैं।

भारत-क़तर संबंधों में चुनौती:

- जून 2022 में बीजेपी प्रवक्ता नुपुर शर्मा के विवादित बयान को लेकर क़तर ने भारत से माफी की मांग की थी।
- इसके बाद, क़तर ने भारतीय राजदूत से अपनी नाराजगी व्यक्त की थी, लेकिन बीजेपी ने नुपुर शर्मा को पार्टी से निष्कासित कर दिया।

कतर के अमीर का भारत दौरा

Result Mitra

क़तर में भारतीय नौसेना कर्मियों का मामला:

- 2022 में क़तर में जासूसी आरोप में आठ भारतीय नौसेना कर्मियों को गिरफ्तार किया गया था।
- इन कर्मियों को शुरू में मौत की सजा सुनाई गई थी, लेकिन भारतीय हस्तक्षेप के बाद सजा कम कर दी गई और वे 2024 में रिहा हो गए।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: कतर के अमीर शेख़ तमीम बिन हमाद अल-थानी के भारत दौरे से संबंधित कौन सा कथन सही है?

(A) उनका दौरा केवल व्यापारिक संबंधों को सशक्त करने के लिए था।

(B) भारत ने कतर से गैस की आपूर्ति बढ़ाने का निर्णय लिया।

(C) कतर ने भारतीय राजदूत से माफी की मांग की थी।

(D) उनका दौरा क़तर-भारत कूटनीतिक संबंधों को खत्म करने के उद्देश्य से था।

Result Mitra

टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को ब्रिटेन का सर्वोच्च सम्मान

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 2

टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को ब्रिटेन का सर्वोच्च सम्मान

Result Mitra

एन. चंद्रशेखरन को ब्रिटिश सम्मान:

- टाटा समूह के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन को 14 फरवरी 2025 को ब्रिटेन द्वारा 'ब्रिटिश साम्राज्य के सबसे उत्कृष्ट ऑर्डर (सिविल डिवीजन)' से नवाजा गया।
- यह सम्मान उन्हें ब्रिटेन और भारत के व्यापारिक संबंधों में उनके योगदान के लिए दिया गया।
- सम्मान के तहत उनके नेतृत्व में टाटा समूह की ब्रिटेन में प्रमुख निवेशों और साझेदारियों की सराहना की गई।

टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को ब्रिटेन का सर्वोच्च सम्मान

नाइटहुड क्यों दिया गया:

- चंद्रशेखरन के नेतृत्व में टाटा समूह ने ब्रिटेन में स्टील, ऑटोमोबाइल और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण निवेश किए हैं।
- विशेष रूप से, जगुआर लैंड रोवर (JLR) और हाल ही में स्थापित इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी संयंत्र ने ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को सशक्त किया।
- उनके प्रयासों से भारत-ब्रिटेन व्यापार संबंध और मजबूत हुए हैं, रोजगार सृजन और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा मिला है।

स्टील

टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को ब्रिटेन का सर्वोच्च सम्मान

पूर्व अंतरराष्ट्रीय सम्मान:

- मई 2023 में चंद्रशेखरन को फ्रांस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'शेवलिएर डे ला लिजिओन द'ऑनर' मिला, जो भारत-फ्रांस व्यापार संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान को मान्यता देता है।
- 2013 में उन्हें नीदरलैंड के न्येनरोडे बिजनेस यूनिवर्सिटी से मानद डॉक्टरेट की उपाधि भी मिली थी।

योगदान

Daily Current Affairs

टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को ब्रिटेन का सर्वोच्च सम्मान

Result Mitra

टाटा समूह की वैश्विक उपस्थिति:

- यह सम्मान टाटा समूह के लिए वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि समूह 100 से अधिक देशों में कार्यरत है।
- ब्रिटेन में किए गए निवेशों ने भारत-ब्रिटेन व्यापार संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया।
- इस सम्मान से टाटा समूह की अंतरराष्ट्रीय साख को और मजबूती मिली है और भविष्य में व्यापार संबंधों में वृद्धि की संभावना है, खासकर ऑटोमोबाइल, प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे में।

टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को ब्रिटेन का सर्वोच्च सम्मान

Result Mitra

मुख्य पहलू:

- सम्मान का नाम: यूके द्वारा मानद नाइटहुड
- सम्मान तिथि: 14 फरवरी 2025
- कारण: टाटा समूह के निवेश और सहयोग से भारत-यूके के आर्थिक संबंधों को मजबूत करना।
- प्रमुख योगदान: ब्रिटेन में टाटा समूह का विस्तार, विशेष रूप से JLR और ईवी बैटरी प्लांट।

टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को ब्रिटेन का सर्वोच्च सम्मान

Result Mitra™

मुख्य पहलू:

EV

पूर्व सम्मान:

- 2023 में 'शेवलिएर डे ला लिज्जिओन द'ऑनर' (फ्रांस)
- 2013 में मानद डॉक्टरेट (नीदरलैंड)

महत्व: टाटा समूह की वैश्विक साख और भारत-यूके व्यापार सहयोग को सशक्त बनाना।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: एन. चंद्रशेखरन को ब्रिटेन द्वारा दिया गया सम्मान निम्नलिखित में से किस कारण से था?

(A) उनके नेतृत्व में टाटा समूह ने ब्रिटेन में महत्वपूर्ण निवेश किए।

(B) उन्होंने ब्रिटेन में शिक्षा क्षेत्र में योगदान दिया।

(C) उन्हें टाटा समूह के संस्थापक के रूप में सम्मानित किया गया।

(D) वे ब्रिटेन में भारतीय राजनीतिक संबंधों को मजबूत करने में कार्यरत थे।

Result Mitra

मैला ढोने वाले हाथ और उनकी सुरक्षा

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 3

मैला ढोने वाले हाथ और उनकी सुरक्षा

Result Mitra

- हाथ से मैला ढोने वाले लोगों को सुरक्षित और स्वस्थ काम करने के लिए बेहतर उपकरण और सुरक्षा उपायों की ज़रूरत है. लेकिन, अक्सर उन्हें ये चीज़ें नहीं मिलतीं.

मैला ढोने वाले हाथ और उनकी सुरक्षा

हाथ से मैला ढोने की प्रथा से जुड़ी समस्याएं

- मैला ढोने वाले लोगों को अक्सर सुरक्षा उपकरणों का अभाव रहता है.
- कई बार उन्हें नंगे बदन ही मैनहोल में उतरना पड़ता है.
- इस प्रथा में शामिल ज़्यादातर लोग दलित समुदाय से आते हैं.
- इस प्रथा में शामिल लोगों की मौतों पर समाज में कोई खास प्रतिक्रिया नहीं होती.

मैला ढोने वाले हाथ और उनकी सुरक्षा

हाथ से मैला ढोने की प्रथा को खत्म करने के लिए किए गए प्रयास

- साल 1993 में मैला ढोने की प्रथा पर प्रतिबंध लगाया गया था.
- साल 2013 में मैनुअल स्कैवेंजिंग एक्ट बनाकर इस प्रथा पर पूरी तरह से बैन लगा दिया गया.
- आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने सीवर-सफ़ाई को मशीनीकृत करने के लिए 'सफ़ाईमित्र सुरक्षा चुनौती' की शुरुआत की.
- हाथ से मैला ढोने वाले कर्मियों के पुनर्वास के लिए स्व-रोज़गार योजना (एसआरएमएस) भी है.

मैला ढोने वाले हाथ और उनकी सुरक्षा

इस प्रथा को खत्म करने के लिए क्या ज़रूरी है?

- इस प्रथा को खत्म करने के लिए समाज में जागरूकता फैलाने की ज़रूरत है.
- इस प्रथा में शामिल लोगों को सुरक्षित और स्वस्थ काम करने के लिए बेहतर उपकरण और सुरक्षा उपाय मुहैया कराने की ज़रूरत है.

मैला ढोने वाले हाथ और उनकी सुरक्षा

Result Mitra

मैनुअल स्कैवेंजिंग एक्ट, 2013

- "मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार का निषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013 (एमएस अधिनियम, 2013)" की धारा 2 (1) (जी) के तहत परिभाषित मैनुअल स्कैवेंजिंग 6.12.2013 से प्रतिबंधित है। उस तिथि से कोई भी व्यक्ति या एजेंसी हाथ से मैला ढोने के काम में किसी भी व्यक्ति को संलग्न या नियोजित नहीं कर सकती है।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: हाथ से मैला ढोने की प्रथा से संबंधित कौन सा कथन सही है?

(A) मैनुअल स्कैवेंजिंग एक्ट, 2013 के तहत इस प्रथा को पूरी तरह से समाप्त किया गया।

(B) मैनुअल स्कैवेंजिंग केवल सफाई कार्यकर्ताओं के लिए लागू होता है।

(C) इस प्रथा को खत्म करने के लिए केवल समाज में जागरूकता फैलाने की जरूरत है।

(D) स्व-रोज़गार योजना केवल शहरी क्षेत्रों में लागू होती है।

Thank You

Result Mitra™